केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - १

रविवार, १६ जुलाई, २०१७ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	
	विभाग-१, कुल गुण (३३)	

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	
	विभाग-२, कुल गुण (३२)	

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	विभाग-३, कुल गुण	
	१३ (१०)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''यदि आप दूसरी बार शास्त्रार्थ करना चाहते हैं तो आप अवश्य आ सकते हैं।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... | गुण : ३ |

२. ''अब आप जाने की क्यों कहते हैं?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... | गुण : ३ |

३. ''थोड़ा-बहुत काम जो शेष है, वह बाद में पूरा हो सकता है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. श्रीहरि ने संतों की रक्षा के लिए काठी हरिभक्तों को भेजा।

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : २ |

२. आखा और पीपलाणा में श्रीहरि ने दो स्वरूपों में दर्शन दिये।

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : २ |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ६		नाम

३. महाराज हर पल – दो-पल बछेरे को लाठी का स्पर्श करते रहे।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. सहजानन्दी होना चाहिए　　२. शूद्रों को द्विजत्व दिया　　३. संवत् १८६९ के वर्ष में अकाल

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ५		नाम	प्र - ४ गुण - ५		नाम	प्र - ५ गुण - ४		नाम

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. पंचाला में पुष्पदोलोत्सव के प्रसंग पर महाराजने संतों के साथ क्या किया? गुण : १ [ ]

.....

.....

२. भावनगर के महाराजा विजयसिंह ने अपने दर्जियों को क्या कहा? गुण : १ [ ]

.....

.....

३. श्रीहरि को गढपुर पधार ने के लिए प्रथम निमंत्रण किस ने और कहाँ दिया? गुण : १ [ ]

.....

.....

४. जीवन सद्‌गुणों से कैसे भर जाएगा? गुण : १ [ ]

.....

.....

५. गढपुर में श्रीहरि की बीमारी में कौन-कौन हरिभक्त सेवा में सावधान रहते थे? गुण : १ [ ]

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. लाखा पटेल और देवा पटेल की रक्षा गुण : २ [ ]

(१) [ ] सिंह की गर्जना। (२) [ ] दरवाज़ा अपने कंधे पर रख लिया।

(३) [ ] छप्पर अपने कंधे पर रख लिया। (४) [ ] सभी को मौत से बचा लिया।

२. बरगद के पेड़ के नीचे सभा गुण : २ [ ]

(१) [ ] हज़ारों भूतों का निवास। (२) [ ] स्वामिनारायण मंत्र की धुन।

(३) [ ] गोलोक में भेज दिया। (४) [ ] झुला बाँधकर श्रीहरि को झुलाया।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ४		नाम	प्र - ७ गुण - ९		नाम

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ४)

१. ..... स्वामी की ओर देखते हुए ..... कहने लगे 'मीठा व्हाला केम विसरु.....' गुण : १

२. ..... ने सब का ..... करने का लक्ष्य रखा। गुण : १

३. ..... में मतपंथी लोगों ने महाराज का ..... करने के लिए कुछ लोंगों को इकट्ठा किया। गुण : १

४. महाराज के टकराने से गिरे ..... को महाराज ने ..... प्रसाद में दिए। गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''इन दो देशों में शास्त्रीजी जैसा त्यागी साधु कोई नहीं है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

..... गुण : ३

२. ''अब तुम अपना काम प्रारम्भ करो।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

..... गुण : ३

३. ''चुपचाप हमें यहाँ से चल देना चाहिए।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. अयोध्याप्रसादजी महाराज ने सेवकों को पूछा कि हमारी पीठ पर क्या हुआ है?

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ४		नाम

२. आज भी हमें मन्दिर में श्रीजीमहाराज की प्रसादी की वस्तुओं का दर्शन होते हैं।

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : २ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ | | ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ९ 'प्रेमानंद स्वामी और महाराज का प्रथम मिलन' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ५		नाम	प्र - १० गुण - ४		नाम	प्र - ११ गुण - ६		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. कौन स्वामिनारायण भगवान की सेवा करते हैं? गुण : १

.....

.....

२. वजेसिंह बापू क्यों दादाखाचर को कुछ बोल सके नहीं? गुण : १

.....

.....

३. नित्यानन्द स्वामी स्वभाव से कैसे थे? गुण : १

.....

.....

४. बीमार जागा भक्त को दर्शन देकर श्रीजीमहाराज ने क्या कहा? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : जागा भक्त को महाराज की मूर्ति के चार सुख प्राप्त हुए।

१. एक दिन जागा भक्त उदास होकर स्वामी के पास आए। **२.** आचार्य महाराज ने हाथ पर चरणारविंद की छाप लगाई। **३.** तीन सेवकों को भेजकर जागा भक्त को बुलवाया। **४.** स्वामी को प्रसन्न करके तुमने स्वयं श्रीकृष्ण को प्रसन्न कर लिया है। **५.** महाराज की मूर्ति का सुख नहीं मिला, इसलिए मेरे मन में उदासी छायी रहती है। **६.** योगेश्वर स्वामी ने कहा : 'यह संसार स्वयं दु:खदायी है।' **७.** स्वामी ने कहा : 'महाराज की मूर्ति से चार सुख प्राप्त कर सकते हैं।' **८.** स्वामी योगेश्वरदास अत्यन्त विनीत प्रकृति के थे। **९.** स्वामी ने जागा भक्त को चार प्रकार के सुखों की अपार कृपा की। **१०.** महाराज कभी सत्संग से दूर नहीं होते। **११.** आज से ये पाँचों सुख तुम्हें देता हूँ। **१२.** दर्शन, प्रसादी, वातुं एवं मिलन।

(१) केवल सही क्रमांक ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ गुण : ३

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ गुण : ३

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **भक्तराज दादाखाचर :** बावाखाचर के शब्द स्वामी को स्मरण थे। उन्होंने सोचा अमराखाचर का तीसरा विवाह कराया जाये जिससे उनका वंश चले।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **प्रेमसखी प्रेमानंद स्वामी :** जामनगर के महाराजा वहाँ आ पहुँचे। देवानन्द स्वामी का संगीत सुनकर महाराजा को ऐसा लगा की यह किसी ओरत के गले की आवाज़ नहीं है, यह तो आत्मिक (रुहानी) संगीत है।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **श्री कृष्णजी अदा :** योगीजी महाराज ने फालगु सरोवर के किनारे अग्नि संस्कार के लिए जगह चुनी। अग्नि संस्कार के स्थान को अक्षरदेरी का प्रसादी दूध छिड़ककर पवित्र किया गया। वहाँ अदा का अग्नि-संस्कार किया गया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **मुकुन्दानन्द वर्णी (मूलजी ब्रह्मचारी) :** स्वामी जूनागढ़ गये। तीसरे दिन मूलजी ब्रह्मचारी दरबारगढ़ में स्वामी के दर्शन करने के लिए गये। वहाँ उन्होंने स्वामी को पलंग पर सोये हुए देखा।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए। (कुल गुण : १०)

१. सर्वावतारी भगवान श्री स्वामिनारायण : दिव्यधामों के दर्शन

२. प्रमुखस्वामी महाराज जन्मजयंती महोत्सव : सुरत

३. वडाप्रधानश्री नरेन्द्रभाई मोदी ने अर्पित की गई भावांजलि

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - १०		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें